Source:- https://bhajansimran.com/maa-chintpurni-chalisa/

माँ चिंतपूर्णी चालीसा। Maa Chintpurni Chalisa

चित में वसो चिंतपूर्णी ,
िछन मस्तिका मात ।
सात बहन की लाड़ली ,
हो जग में विख्यात ।

माईदास पर की कृपा,
रूप दिखाया श्याम।
सब की हो वरदायनी,
शक्ति तुमे प्रणाम ।

छिन्मस्तिका मात भवानी,
कलिकाल में शुभ कलियानी।
सती आपको अंश दिया है ,
चिंतपूर्णी नाम किया है ।

चरणों की है लीला न्यारी,
चरणों को पूजा हर नर नारी ।
देवी देवता नतमस्तक ,
चैन नाह पाये भजे न जब तक ।

शांत रूप सदा मुस्काता ,
जिसे देख आनंद आता ।
एक और कलेश्वर सजे ,
दूसरी और शिववाड़ी विराजे ।

तीसरी और नारायण देव ,
चौथी और मुचकुंद महादेव।
लक्ष्मी नारायण संग विराजे ,
दस अवतार उन्ही में साजे।

तीनो दुवार भवन के अंदर,
बैठे ब्रह्मा , विष्णु ब शंकर ।
काली , लक्ष्मी सरस्वती मां,
सत , रज , तम से व्याप्त हुई मां।

हनुमान योद्धा बलकारी ,
मार रहे भैरव किलकारी ।
चौंसठ योगिनी मंगल गावे ,
मृदंग छैने महंत वजावे ।

भवन के नीचे बाबड़ी सूंदर ,
जिसमे जल बेहता है झर झर ।
संत आरती करे तुम्हरी,
तुमेः पूजते है नर नारी ।

पास है जिसके बाग निराले ,
जहाँ है पुष्पों की है बनमाला ।
कंठ आपके माला विराजे ,
सुहा सुहा चोला अंग साजे।

सिंह यहाँ संध्या को आता ,
छिन्मस्तिका शीश नबाता।
निकट आपके है गुरुद्वारा ,
जो है गुरु गोबिंग का प्यारा ।

रणजीत सिंह महाराज बनाया ,
तुम स्वर्ण का छत्र चढ़ाया ।
भाव तुम्ही से भक्ति पाया ,
पटियाला मंदिर बनबाया ।

माईदास पर कृपा करके ,
होशिअरपुर विचर के ।
अठूर क्षेत्र मुगलो नेह घेरा ,
पिता माईदास ने टेरा।

अम्ब छेत्र के पास में आये,
दोह पुत्र कृपा से पाये ।
वंश माये नेह फिर पुजवाया ,
माईदास को भक्त बनबाया ।

माँ चिंतपूर्णी चालीसा। Maa Chintpurni Chalisa

सो घर उसके है अपनाया ,
सेवारत है जो हर्षाया ।
तीन आरती है मंगलमह ,
प्रात: मद्या और संद्यामय ।

असोज चैत्र मेला लगता ,
पर सावन में आनंद भरता।
पान ध्वजा - नारियल चढ़ाऊँ,
हलवा , चन्ना का भोग लगाऊं।

छनन य चुन्नी शीश चढ़ाऊँ,
माला लेकर तुम्हे ध्याऊँ।
मुझको मात विपद ने घेरा ,
जय माँ जय माँ आसरा तेरा।

ज्वाला से तुम तेज हो पति,
नगरकोट की शवि है आती।
नयना देवी तुम्हे देखकर,
मुस्काती है मैया तुम पर।

अभिलाषा मां पूरन कर दो,
हे चिंतपूर्णी मां झोली भर दो।

ममता वाली पलक दिखा दो ,
काम, क्रोध , मद , लोभ हटा दो ।

सुख दुःख तो जीवन में आते ,
तेरी दया से दुःख मिट जाते ।
चिंतपूर्णी चिंता हरनी ,
भय नाशक हो तुम भय हरनी ।

हर बाधा को आप ही टालो,
इस बालक को आप संभालो।
तुम्हारा आशीर्वाद मिले ज,
सुख की कलियाँ खिले तब।

कहा तक तुम्हरी महिमा गाऊं,
दुवार खड़ा हो विनय सुनाऊ।
चिंतपूर्णी मां मुझे अपनाओ ,
"सतीश " को भव पार लगाओ।

दोहा :

चरण आपके छू रहा हु , चिंतपूर्णी मात ।
लीला अपरंपार हे , हो जगमें विख्यात ।।

Source:-https://bhajansimran.com/maa-chintpurni-chalisa/

Chintpurni chalisa in english

chit mein baso chintapurni,
chinmastika maat|
saat behan ki ladli,
ho jag mein vikyat|

mayedass par ki kripa,
roop dikhaya sham||
sabki hobardayni,
shakti tumeh parnam|

Chinmastika maat bhvani ,
klikaal mein shubh klyani|
saatiappko ansh diya .
chintapurni naam diya |

charno ki hai leela niyari,
charan ko pooja hr nar nari|
devi devta hai natmastak,
chain n paye bhjey nah jab tak|

shant roop sdah muskata ,
jese dekh anand ahta |
esk aur kaleshwar sajeh ,
dusri aur shivbadi virajey|

teesre aur narayan dev,
chothi aur machkund mahadev|
lakshmi narayan sang virajey,
das avtar ohni mein sajeh|

teeno duwar bhavan ke andher,
beitha brahma ,vishnu wa shanker|
kaali, laskhmi, saraswati maa,
sat ,rj,tum se vyapat huye maa|

hanuman yodha balkari,
maar rahe bhairav kilkaari|
chonsat yogini mangal gavey ,
mridng chehney mahant bjawe |

bhavan ke niche bawde sunder ,
jismein jal behta hai jher jher|
sant arti karey tumari,
tumeh pujtey hai nar nari|

pass hai jiske baag nirala ,
jahan hai pushpo kihai bnmala|
kant apke mala viraje ,
sua sua chola ang sajey |

sing jahan sandhya ko ahta,
chinmastika sheesh nbata |
nikat appke hai gurudwara ,
joh hai guru gobing ka pyara|

ranjeet singh maharaj bnaya ,
tumeh swarn ka chatrr chdaya |
bhav tume se bhakti paya,
patiyala mandir banwaya |

mayedas par kripa karke ,
aye hoshiarpur vichr key|
ahtor chater muglo neh ghera,
pita mayedas neh tehra |

amb chetrr kepass mein aya ,
doh puter kripa se paya |
vansh maye neh fhir pujayea ,
mayedas ko bhakt banwaya |

soh gher uske hai apnaye ,
sewarat hai joh harshaye |
teen arti hai mangalmay,
prat:,madhya aur sandyakaal |

asoj chaiter mela lagta ,
pr savan mein anand bhrta |
paan dwahja nariyal chdayu ,
halwa, chna ka bhoog lagwayu |

chatrr v chuni sheesh chdayo,
mala lehkar tumeh dhyaoo|
mujhko maat vipadh neh ghera,

jai ma jai ma asra tera |

jwala mein se tum tej ho pahte,
nagrkot ki chavi aati|
nainadevi tumeh dehkkr ,
muskate hai tum pr|

abhilasha ma puran kardo ,
hey chintpurni maa jholi bhrr doh |
mmta wali plak dikhadoh,
kam,krodh,madh,lobh mita doh|

sukh dukh toh jivan mein ata ,
tare dya se dukh mit jatey |
chintapurni chintaharni ,
beh nashak ho tum beh harni|

hr wadah ko ap he tala,
es balak ko app sambhao|
tumhara ashirwadh mila jb,
sukh ki kaliya khiley tb |

kahan tak tumari mahima gao,
dwar khada ho vinay sunao|
chintpurni maa mujeh apnao,
'dass' ko bhav paar lagwao

Doha:

charan apke chu raha hu,chintapurni maat |
leela aprmpar hai ,ho jag mein vikhayat ||